News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-312
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

परेशानिया आये तो सब्र से काम ले जल्दबाज़ी में अक्सर फ़ैसले ग़लत होते है।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, रविवार, 16 फरवरी 2025

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार के इस एयरपोर्ट के निर्माण की मिली मंजूरी

पटना, बिहार के विकास के लिहाज से शनिवार का दिन मील का पत्थर साबित हुआ। बिहटा में बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इस परियोजना के लिए एक रूसी कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। यह कार्य 459.99 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (श्वक्क्ष्ट) मोड में पूरा किया जाएगा। यह कंपनी टर्मिनल भवन ही नहीं आईटी सिस्टम भी बनाएगी. इस परियोजना के तहत बिहटा में नया एकीकृत टर्मिनल भवन, यूटिलिटी बिल्डिंग,एलिवेटेड रोड,इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य, एयरपोर्ट सिस्टम,आईटी सिस्टम, सुरक्षा प्रणाली सहित व्यापक रखरखाव और संचालन कार्य होगा. वर्क आर्डर जारी करने के साथ ही परियोजना की निविदा प्रक्रियापूरी हो चुकी है। तकनीकी बोली 21 नवंबर 2024 को और वित्तीय बोली 20 दिसंबर 2024 को ष्टक्क्क पोर्टल के माध्यम से खोली गई थी। इसके बाद एएआई ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

30 प्रतिशत कम लागत में बनेगा एयरपोर्ट

एयरपोर्ट निर्माण की कुल लागत 459.99 करोड़ रुपये है, जो कि अनुमानित लागत 665.85 करोड़ रुपये से 30.92त्न कम है। इसमें 438 करोड़ रुपये पूंजी निर्माण पर और 21.99 करोड़ रुपये संचालन एवं रखरखाव पर खर्च किए जाएंगे। एएआई ने कंपनी को दस दिनों के भीतर कम से कम तीन डिजाइन कंसल्टेंट के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इन प्रस्तावों का तकनीकी मूल्यांकन करने के बाद, अंतिम कंसल्टेंट का चयन किया जाएगा।

बिहटा एयरपोर्ट का महत्व

बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण पटना हवाईअड्डे पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने के लिए किया जा रहा है। इस नए टर्मिनल के बनने से पटना और आसपास के क्षेत्रों में हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी, जिससे बिहार की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को नया आयाम मिलेगा। हवाई अड्डे पर एक समय में 3,000 यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी और विमानों के लिए 10 पार्किंग-वे बनाए जाएंगे, ताकि ,-321, क्र-737-800, ,-320 किस्म के विमानों की पार्किंग हो सके। रनवे की लंबाई 3700 मीटर तक बढ़ाने की योजना है। अनुमान है कि 2027 के अंत तक निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

मृतकों की सूची जारी, मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में बिहार के 9 लोगों की मौत

पटना. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 यात्रियों की मौत हो गई है. इसमें सबसे अधिक बिहार के 9 लोग हताहत हुए हैं. इनमें 7 महिलाएं और 2 पुरुष की मौत हो गई है. वहीं इस घटना में दिल्ली के 8 और हरियाणा के 1 व्यक्ति की मौत हुई है. बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना प्लेटफॉर्म नंबर 16 और 13 पर हुई है. इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख व्यक्त किया है. वहीं, रेलवे ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिये हैं और मृतक यात्रियों के परिजनों और घायल यात्रियों के लिए मुआवजे की घोषणा की है. घटना में जिनकी मौत हुई है उनके नाम भी सामने आए हैं. भारतीय रेलवे की ओर से जारी सूची में बिहार के मृतकों के जो नाम सामने आए हैं इसमें बक्सर की आशा देवी, सारण की पूनम देवी, पटना की ललिता देवी, मुजफ्फरपुर की सुरुचि देवी, समस्तीपुर की कृष्णा देवी, समस्तीपुर के विजय शाह, वैशाली के नीरज पासवान, नवादा की शांति देवी और नवादा की ही पूजा कुमारी की मौत हुई है. इस बीच भारतीय रेलवे ने पीड़ितों के लिए सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है. जिसके अनुसार मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल लोगों को 2.5 लाख और मामूली रूप से घायलों को 1 लाख रुपये दिये जाएंगे. बता दें कि कुंभ स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है और रेलवे स्टेशनों पर हालात कई बार बेकाबू हो जा रहे हैं. इसी अफरातफरी में घटनाएं सामने आ रही है. लगातार पुलिस प्रशासन लोगों से संयमित रहकर यात्रा करने की अपील कर रहा है, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण आम यात्रियों को भी काफी मुश्किलें आ रहीं हैं. दरअसल, ट्रेन में न तो कोई रिजर्वेशन मिल रहा है और नहीं तो जेनरल सीट ही लोगों को मिल रहा है. ऐसे में प्रयागराज जाने की होड़ में लोग परेशान हो रहे हैं. श्रद्धालुओं का बस यही लक्ष्य है कि 144 साल बाद प्रयागराज में लगे इस महाकुंभ में कैसे डुबकी लगा ली जाय. लेकिन, इस क्रम में आपाधापी हो रही है और ट्रेन पर चढ़ने के लिए आतुर हो रहे हैं और हादसे हो रहे हैं.

पटना जंक्शन पर 25000 वोल्ट बिजली तार से छू गया युवक

लोगों के सामने ही धू-धू कर जलकर मौत, रेलवे प्रशासन पर सवाल

पटना, बिहार के पटना जंक्शन पर बड़ी घटना सामने आई है. यहां पश्चिमी फुट ओवर ब्रिज से एक युवक अचानक कूद गया और रेलवे ट्रैक पर गिर गया. लेकिन, गिरने से पहले वह 25000 वोल्ट के बिजली की तार के संपर्क में आ गया जिससे वह नीचे गिरने के बाद धू धू कर जल गया. उसकी मौके पर ही हो मौत हो गई. युवक को जीवित जलते हुए देखकर लोग डर गए और स्टेशन पर अफरातफरी मच गई. मृत युवक की पहचान नहीं हो पाई है.

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पटना जंक्शन पर शनिवार की शाम एक युवक पश्चिमी फुटओवर ब्रिज पर गया. थोड़ी देर तक वह वहां टहलता रहा और फिर अचानक पुल की 5 फुट ऊंची जाली पर चढ़ गया. जब तक कोई कुछ समझ पाता युवक वहां से नीचे कूद गया. लेकिन, रेलवे ट्रैक पर गिरने से पहले वह 25 हजार वोल्ट के बिजली तार से छू गया जिससे वह धू-धू जलते हुए नीचे गिरा. कुछ ही मिनट में उसका पूरा शरीर जल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई. हादसा प्लेटफॉर्म 8-9 के बीच ट्रैक पर हुआ. मृतक की पहचान नहीं हो सकी है. वहीं, रेलवे प्रशासन के सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. आखिर कैसे वह युवक फुट ओवर ब्रिज पर चढ़ गया और किसी पुलिसकर्मी ने उसे रोकने की कोशिश भी नहीं की. वह कूद गया और हाई वोल्टेज तार से टकरा कर मर गया और उसे बचाने की कोशिश तक नहीं की गई. जलते हुए ट्रैक पर गिरने से मौत हो गई और रेलवे प्रशासन अब तक मौन है.

मरीज ने तोड़ा दम; विरोध में परिजनों के किया बवाल

प्राइवेट अस्पताल में यूट्यूब देख हो रहा था इलाज

पटना, पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में प्राइवेट अस्पताल (श्री अशोका हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर) में हंगामा हो गया है। आरोप है कि यहां एक मरीज का इलाज यूट्यूब देखकर किया जा रहा था, जिससे परिजनों ने नर्सिंग होम को तोड़फोड़ दिया है। मरीज को उल्टी की शिकायत होने पर कल भर्ती कराया गया था और वह सीआईएसएफ में सलेक्ट हो चुका था। मृतक भोजपुर का रहने वाला है और उसके परिवार ने नर्सिंग होम के सभी डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने आरोप लगाया की अस्पताल में यूट्यूब देखकर उनके बच्चे का इलाज किया जा रहा था। इसी कारण उसकी मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करें। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन, सभी डॉक्टर और नर्स फरार हो गए हैं। अस्पताल की ओर से कोई कुछ बताने के लिए तैयार नहीं है। वहीं थानेदार ने मामले की जांच के बाद ही पूरा मामला बताने की बात कही है।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में लगी आग

वन विभाग ने घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू

बेतिया. बिहार के बेतिया स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (ङ्कञ्जक्र) के मदनपुर वन प्रक्षेत्र में अचानक आग लगने से जंगल में अफरा-तफरी मच गई। घटना कक्ष संख्या-5 के सदाबहार जंगल में हुई, जहां देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग वन तस्करों या असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर लगाई गई है। घटना के बाद आरोपी जंगल से फरार हो गए। इसके अलावा, स्थानीय लोगों की लापरवाही भी जंगल में आग लगने की बड़ी वजह बन सकती है। वन विभाग के मुताबिक, कई बार गांवों के लोग घरों की राख जंगल के किनारे फेंक देते हैं, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, धूम्रपान करने वाले लोग जलती हुई बीड़ी या सिगरेट फेंक देते हैं, जिससे भी जंगल में आग फैल सकती है।

वन विभाग ने की अपील, जंगल में ज्वलनशील पदार्थ न फेंकें

वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों और चरवाहों से जंगल में आग नहीं लगाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि जंगल में ज्वलनशील पदार्थों का निपटान सही तरीके से करें और आग लगने जैसी घटनाओं को रोकने में सहयोग करें।घटना की सूचना मिलते ही वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉ. नेशामणि के निर्देश पर वनपाल राजेश रोशन के नेतृत्व में वनकर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, जंगल को हुए नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है।

गौरतलब है कि 2 फरवरी को भी वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर वन क्षेत्र के कक्ष संख्या-9 में भीषण आग लगी थी। पछुआ हवाओं के कारण आग तेजी से फैली, जिससे जंगल में रहने वाले वन्यजीवों में भगदड़ मच गई थी। बार-बार जंगल में आग लगने की घटनाओं से वन विभाग सतर्क हो गया है और आग रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है।

PM मोदी के दौरे को लेकर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने लिया जायजा

पार्किंग व्यवस्था और रूट मैप देखा

पटना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 24 फरवरी को भागलपुर आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। हवाई अड्डा मैदान में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री देश भर के किसानों को संबोधित करेंगे। इसे सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को भागलपुर पहुंचे और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

डिप्टी सीएम ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पीएम मोदी के आगमन को लेकर लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भागलपुर कृषि प्रधान क्षेत्र है, इसलिए प्रधानमंत्री ने इस जिले को अपने संबोधन के लिए चुना है। सम्राट चौधरी ने कहा कि 2025 में भागलपुर जिले के विकास के लिए एक नई रूपरेखा तैयार की जाएगी।

आलाधिकारियों के साथ बैठक, तैयारियों की समीक्षा

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, मंच निर्माण, एयर स्ट्रिप, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी और पुलिस महानिरीक्षक विवेक कुमार ने उन्हें अब तक की तैयारियों से अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम के दौरान आने वाले लाखों किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए बेहतर यातायात, सुरक्षा और पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मोदी की इस जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा नेता और प्रशासनिक अधिकारी लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। 24 फरवरी को नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर तैयारी का जायजा लेने शनिवार को भागलपुर पहुंचे डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, भागलपुर में बनने वाले ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट को बजट सत्र के दौरान ही फाइनेंस मिनिस्टर ने घोषित कर दिया

भागलपुर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट हम बनाएंगे। वहीं, पीएम इस कार्यक्रम के दौरान विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे के सवाल पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि उसके लिए पहले भारत सरकार कानून बनाकर सांसद में बिल लाएगी। इसके बाद ही शिलान्यास होगा। डिप्टी सीएम के इस बयान के सामने आने के बाद प्रदेश के लोगों की उम्मीदें फिलहाल बिखर गई।